

और्ण/और्णिक वि. (तत्.) 1. ऊन से संबंधित, ऊनी, ऊन से निर्मित।

और्ध्वदेह पुं. (तत्.) अंत्येष्टि, प्रेतकर्म।

और्ध्वदेहिक/और्ध्वदैहिक वि. (तत्.) जो मृत व्यक्ति से संबंधित हो पुं. मरे हुए व्यक्ति के लिए किया गया (कृत्य), मरने के बाद किए जाने वाले कर्म अंत्येष्टि आदि।

और्व वि. (तत्.) 1. भूमि से उत्पन्न 2. भूमि से संबंधित पु. 1. बड़वाग्नि। 2. एक भृगुवंशी ऋषि का नाम।

और्वशेय पुं. (तत्.) 1. उर्वशी का पुत्र 2. अगस्त्य या वशिष्ठ।

औल पुं. (देश.) 1. गड़ढा, खाई 2. गुफा।

औलना अ.क्रि. (देश.) 1. गरमी सहना 2. तप्त होना। स.क्रि. 1. तपाना 2. क्लेश देना।

औलाद स्त्री. (अर.) संतति, पुत्र-पुत्री आदि।

औलिया पुं (अर.) वली का बहुवचन, मुसलमानों के सिद्ध पुरुष, फकीर, संत, महात्मा।

औली स्त्री. (तद्.) कृषि की नई फसल से लाया गया अन्न, नवान्न।

औलूक्य पुं. (तत्.) 1. उलूक की संतान 2. (वैशेषिक दर्शन के प्रणेता) कणाद मुनि।

औशनस वि. (तत्.) 1. शुक्राचार्य से संबंधित 2. शुक्राचार्य का शिष्य 3. शुक्राचार्य द्वारा रचित शास्त्र (शुक्रनीति)।

औशनसी स्त्री. (तत्.) शुक्राचार्य की पुत्री (देवयानी) 2. शुक्रनीति नामक पुस्तक।

औशीर पुं. (तत्.) खस (उशीर) की जड़ 2. खस का लेप 3. (खस की) चटाई 4. पंखें या चँवर की डंडी। वि. उशीर (खस) का, उससे संबंधित।

औषध स्त्री. (तत्.) दवा, औषधि, जड़ी-बूटी।

औषध निघंटु पुं. (तत्.) चिकित्सा में काम आने वाली औषधियों का अध्ययन, औषध-निघंटु में औषधि-विज्ञान, भेषजी, औषधि-गुणविज्ञान और चिकित्सा शास्त्र सम्मिलित हैं।

औषधशाला स्त्री. (तत्.) औषधि बनाने या बेचने का भंडार। pharmacy

औषधालय पुं (तत्.) (वह स्थान जहाँ दवाएँ बनती/बिकती या रोगियों को दी जाती हैं।

औषधि स्त्री. (तत्.) दवा के रूप में प्रयुक्त कोई पदार्थ, भेषज, औषध। drug

औषधीय वि. (तत्.) 1. औषधि से सम्बंधित 2. जड़ी-बूटी वाली औषधि।

औषधोपचार पुं. (तत्.) औषधि द्वारा चिकित्सा, दवा-दारु, दवाई से इलाज।

औष्ट्र वि. (तत्.) जो ऊँट (उष्ट्र) से संबंधित हो, ऊँट का।

औष्ट्ररथ पुं. (तत्.) ऊँट द्वारा खींची जाने वाली गाड़ी।

औष्ट्रिक वि. (तत्.) ऊँट से उत्पन्न होने वाला, ऊँट से प्राप्त होने वाला।

औष्ठ्य वि. (तत्.) 1. ओठ संबंधी 2. जिस अक्षर का उच्चारण ओठ से होता है उसे औष्ठ्य वर्ण कहते हैं। प, फ आदि प वर्ग के अक्षर इस श्रेणी में आते हैं।

औसत पुं. (अर.) 1. एक से अधिक राशियों के योग को उनकी संख्या से भाग देने पर प्राप्त होने वाली राशि 2. सामान्य स्तर।

औसत आय स्त्री. (अर.+तत्.) किसी उत्पाद की कुल संख्या या मात्रा की बिक्री से प्राप्त होने वाली कुल आमदनी को उस वस्तु की बिक्री इकाइयों से भाग देने पर एक इकाई से प्राप्त आय।

औसतन क्रि.वि. (अर.) 1. सामान्य रूप से 2. साधारणतः 2. औसत के रूप में

औसना अ.क्रि. (देश.) 1. ज्यादा उमस होना 2. फलों का भूसा या गत्तों के अंदर पकना 3. खाद्य पदार्थों का देर तक रखे रहने से सड़ना।

औसर पुं. (तद्.) अवसर, मौका, समय।

औसान पुं. (अर.) चेतना, होश, सुध-बुध (तद्.) 1. अंत 2. परिणाम।

औसाना स.क्रि. (देश.) कच्चे फलों को भूसा में रखकर पकाना।

औसेर स्त्री. (देश.) 1. उलझन, अटकने का भाव, अटकाव 2. देर, विलंब 3. चिंता।

औसेरना अ.क्रि. (देश.) 1. उलझन में पड़ना 2. देर करना 3. दुखी होना।

औहठी वि. (देश.) खराब हठ करने वाला, दुःसाहसी।

औहत स्त्री. (तद्.) 1. अकालमृत्यु 2. दुर्दशा, दुर्गति।